Bal Bharati
PUBLIC SCHOOL
Sector-21, Noida, G.B. Nagar

गांधी जयंती समारोह (2021-22)

" देश के लिए जिसने विलास को ठुकराया था,
त्याग विदेशी धागे, उसने खुद ही खादी बनाया था ।
पहन काठ की खडाऊँ जिसने, सत्याग्रह का राग सुनाया था,
देश का था अनमोल वो दीपक, जो महात्मा कहलाया था ।"

प्रतिवर्ष देशभर में 2 अक्टूबर का दिन गांधी जी के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है । इस बार हम गांधीजी की 152 वीं जयंती मनाने जा रहे हैं । बापू के जीवन आदर्शों व सिद्धांतों ने न केवल देश को अंग्रेजों से आज़ाद कराया अपितु समाज को भी उसकी संकीर्ण मानसिकता से मुक्ति दिलाई । अत: इस महापुरुष के जन्मदिन के अवसर पर उन्हें स्मरण करते हुए बाल भारती पब्लिक स्कूल, नौएडा में दिनांक 28 सितंबर से - 2 अक्टूबर तक अनेक गतिविधियाँ संपन्न कराई गईं । पहली व दूसरी कक्षा के छात्रों के लिए **कहानी वाचन** गतिविधि का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत उन्हें गांधीजी की शिक्षाओं व मूल्यों पर आधारित कहानी बड़े ही रोचक ढंग से सुनाकर उन्हें अपने व्यवहारिक जीवन में उतारने का संदेश दिया । कक्षा तीसरी के छात्रों ने अत्यंत उत्साहपूर्वक **चरखा निर्माण गतिविधि** में भाग लिया । छात्रों ने कार्डबोर्ड व अन्य अनुपयोगी सामान से गांधीजी के आर्थिक स्वावलंबन के प्रतीक चरखे के प्रतिरूप बनाकर अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया । कक्षा चौथी व पाँचवी के विद्यार्थियों को इस विशेष अवसर पर गांधीजी के निवास स्थल साबरमती आश्रम की **आभासी यात्रा** कराई गई । यात्रा के दौरान 'साबरमती नदी', बापू की कुटिया 'ह्रदय कुंज' व अन्य भवन, चरखे के विभिन्न प्रकार एवं उन पर कपास से धागा बनाने की प्रक्रिया का आँखों देखा अनुभव, पुस्तकालय, संग्रहालय व अन्य प्राप्त जानकारी ने नि:संदेह सभी के मन-मस्तिष्क पर एक सुखद व अमिट छाप छोड़ी । सभी छात्रों ने अपने-अपने ढंग से बापू के प्रति अपना प्यार प्रकट किया जैसे- एक ओर प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों ने बापू के प्रिय भजन '**वैष्णव जन तो तेने कहिए**' का सुर व लय के साथ गायन किया और दूसरी ओर माध्यमिक स्तर की छात्राओं ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर उनके प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया । 2 अक्टूबर के दिन बापू के साथ-साथ 'जय जवान जय किसान' का नारा देने वाले भारत के दूसरे प्रधानमंत्री श्री लालबहादुर शास्त्री जी का भी जन्मदिन मनाने हेतु विद्यालय में ऑनलाइन विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत नन्हे छात्रों ने कविता, कहानी व 'रघुपति राघव राजा राम' भजन जैसी प्रस्तुति देकर सभी के मन को मोहित कर लिया । उन्हें गांधीजी की अन्त्योदय की विचारधारा, भावनात्मक एकता व राष्ट्रीय अखंडता के महत्त्व तथा शास्त्री जी के जीवन मूल्यों से जुडी घटनाओं से अवगत कराया गया जिससे वे उसका अनुसरण कर सकें । सभी छात्रों ने आयोजित कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेकर राष्ट्रपिता व शास्त्री जी के प्रति अपने प्रेम व सम्मान का प्रदर्शन किया ।

आयोजित कार्यक्रमों की झलकियाँ

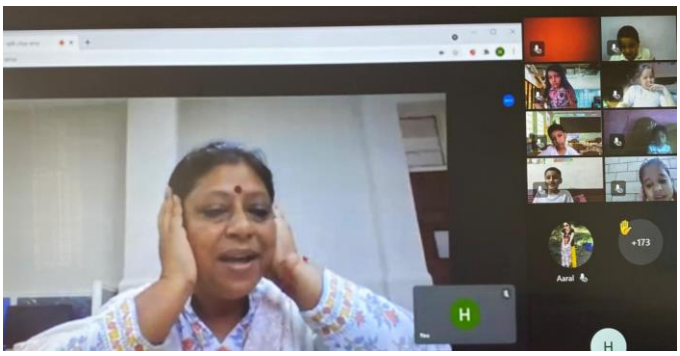

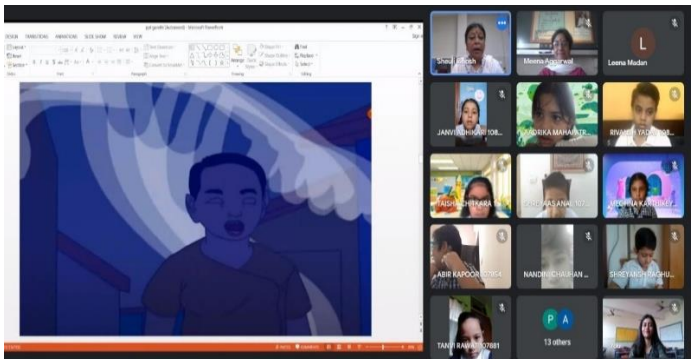

गांधी जी की शिक्षाओं पर आधारित कथा वाचन

कथा वाचक - श्रीमती श्यूली घोष

कक्षा - पहली व दूसरी

शिवांश बिष्ट - तीसरी 'अ'

संसाधन व्यक्ति - श्री नीलाद्रि दास

आत्मनिर्भर भारत की पहचान - 'चरखे' के प्रति सम्मान प्रकट करते छात्र

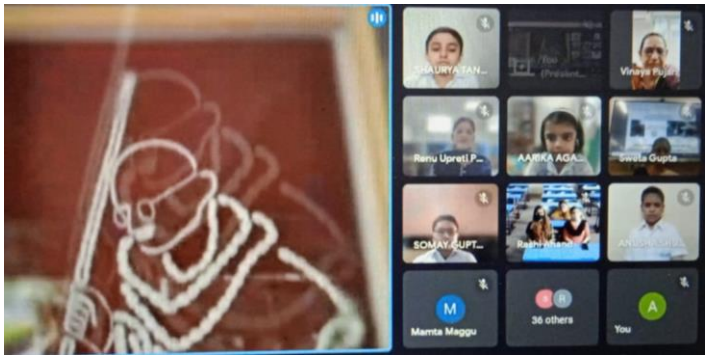

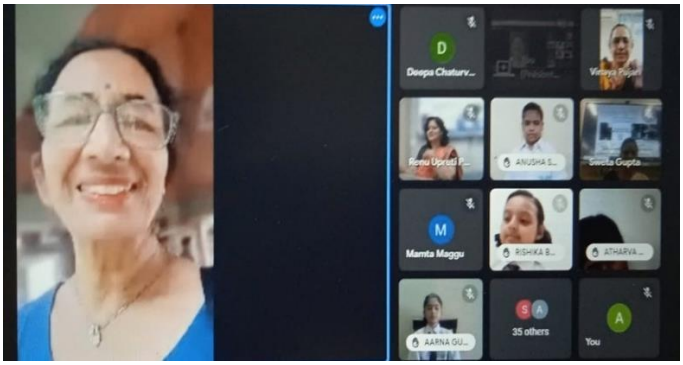

साबरमती आश्रम की आभासी यात्रा का आनंद उठाते छात्र

संसाधन व्यक्ति - श्रीमती प्रतिमा वोरा (साबरमती आश्रम, अहमदाबाद)

कक्षा - चौथी व पाँचवी

'वैष्णव जन तो तेने कहिए' भजन का गायन करते छात्र

कक्षा आठवीं की छात्राओं द्वारा नृत्य प्रस्तुति

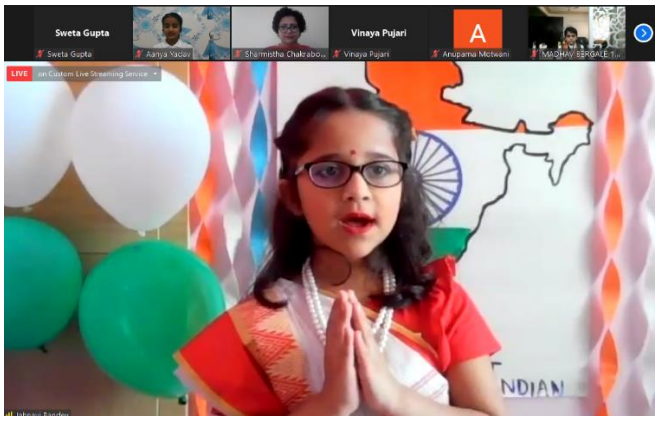

गांधी जी व शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर विद्यालय में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन